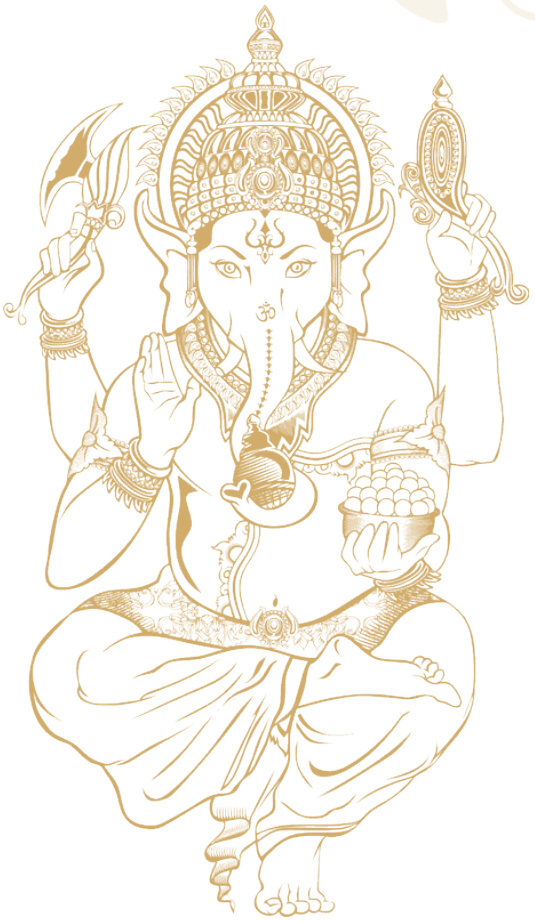

Ciki

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120936906

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 20/07/1996 | जन्म तिथि | 31/10/2000 |
| शनिवार | दिन | मंगलवार |
| घंटे 07:38:00 | जन्म समय | 15:00:00 घंटे |
| घटी 05:05:14 | जन्म समय(घटी) | 21:08:06 घटी |
| India | देश | India |
| Delhi | स्थान | Churu |
| 28:39:00 उत्तर | अक्षांश | 28:18:00 उत्तर |
| 77:13:00 पूर्व | रेखांश | 75:00:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:21:08 | स्थानिक संस्कार | -00:30:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:35:54 | सूर्योदय | 06:41:11 |
| 19:18:40 | सूर्यास्त | 17:45:53 |
| 23:48:37 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:49 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 6वर्ष 11मा 12दि | | 28:58:55 | कर्क | लग्न | कुंभ | 18:30:17 | केतु 6वर्ष 0मा 11दि | |
| मंगल | | 03:50:09 | कर्क | सूर्य | तुला | 14:24:07 | शुक्र | |
| 02/07/2019 | | 22:02:00 | सिंह | चंद्र | धनु | 01:50:46 | 12/11/2006 | |
| 02/07/2026 | | 02:20:33 | मिथु | मंगल | कन्या | 03:51:37 | 12/11/2026 | |
| मंगल | 28/11/2019 | 13:37:12 | कर्क | बुध व | तुला | 11:26:27 | शुक्र | 13/03/2010 |
| राहु | 16/12/2020 | 17:00:16 | धनु व | गुरु व | वृष | 15:43:04 | सूर्य | 14/03/2011 |
| गुरु | 22/11/2021 | 23:17:40 | वृष | शुक्र | वृश्चि | 20:50:18 | चन्द्र | 11/11/2012 |
| शनि | 01/01/2023 | 13:35:21 | मीन व | शनि व | वृष | 05:08:01 | मंगल | 11/01/2014 |
| बुध | 29/12/2023 | 16:51:29 | कन्या व | राहु व | मिथु | 24:03:53 | राहु | 11/01/2017 |
| केतु | 26/05/2024 | 16:51:29 | मीन व | केतु व | धनु | 24:03:53 | गुरु | 12/09/2019 |
| शुक्र | 26/07/2025 | 09:00:13 | मक व | हर्ष | मक | 23:02:28 | शनि | 12/11/2022 |
| सूर्य | 01/12/2025 | 02:31:06 | मक व | नेप | मक | 09:59:48 | बुध | 12/09/2025 |
| चन्द्र | 02/07/2026 | 06:38:54 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 17:36:21 | केतु | 12/11/2026 |

**लग्न-चलित**

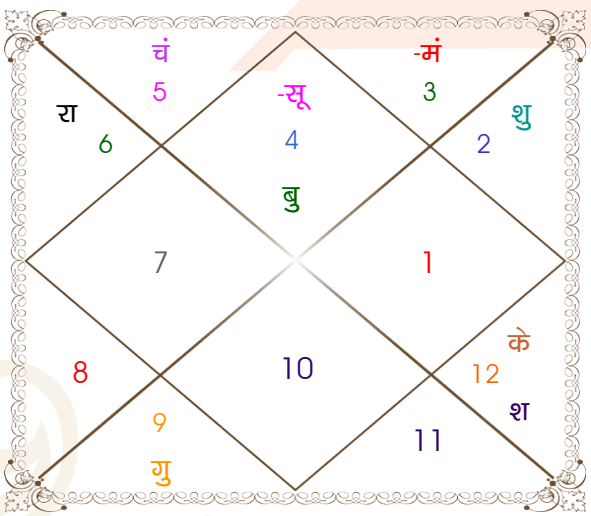


**लग्न-चलित**

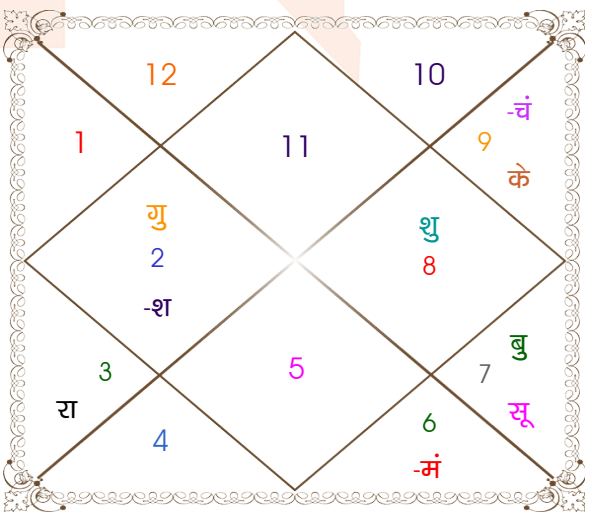

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | मानव | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | सम्पत | अतिमित्र | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | श्वान | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | गुरु | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | धनु | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 18.00 | | |

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ciki का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ciki का मिलान शुभ है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ciki मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

Mr. तथा Ciki में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।